स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com द

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी
(**Agromet Advisory Bulletin No. : 73/2025**)

जिला – श्रीगंगानगर | जारी करने की तिथि : 09.12.2025

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः पिछले 5 दिनों के दौरान आसमान साफ रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 24.8–27.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 10.8–11.2 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान हल्के गति की हवाये परिवर्तनशील दिशा से चली।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान आसमान में मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 23.0–25.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10.0–11.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की गति की हवायें परिवर्तनशील दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	**09 दिसम्बर**	**10 दिसम्बर**	**11 दिसम्बर**	**12 दिसम्बर**	**13 दिसम्बर**
वर्षा (मि.मी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	25	25	23	23	24
न्यूनतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	10	10	11	10	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	1	0	0	0
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	34	40	38	38	38
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	70	75	75	70	70
हवा की गति (कि.मी. / घंटा)	6	8	8	10	10
हवा की दिशा	North-West	North-West	South-West	South-West	South-West

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

विशेष सलाह : सरसों, गेहूं, आलू, मटर जैसी फसलों को पाले / शीतलहर से बचाने हेतु गंधक के तेजाब (0.1 प्रतिशत) का छिड़काव करने से न केवल पाले से बचाव होता है बल्कि पौधों में लौह तत्व की जैविक एवं रासायनिक सक्रियता बढ जाती है। जो पौधो में रोगरोधिता बढाने में एवं फसल को जल्दी पकाने में सहायक होती है। किन्नों के नये बागों में छोटे पौधे को शीतलहर से बचाव हेतु पॉलीथीन अथवा भूसे से ढक देवें।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह (Agricultural Advisory)**
गेहूँ	बढ़वार	बिजाई एवं सिंचाई	• गेहूं की फसल में समय पर बोई गई गेहूं की फसल 25–30 दिन की होने पर (जड़ जमने पर) प्रथम सिंचाई करे। प्रथम सिंचाई के समय पर भारी व मध्यम मिट्टी के लिये एक बार में 33 किलो तथा हल्की मिट्टी के लिये 17 किलो यूरिया प्रति बीघा देवें। गेहूं की पिछेती बुवाई 15 दिसम्बर तक करें। पिछेती बिजाई के लिए पीबीडब्ल्यू 752 ,एच.डी. 3298,राज. 3777, राज. 3077, पीबीडब्ल्यू 373, डी.बी.डब्ल्यू. 90 तथा राज 3765 किस्मों की बुवाई के प्रमाणित बीज 35 किलोग्राम प्रति बीघा की दर से प्रयोग करे। बुवाई के समय 88 कि.ग्रा. डीएपी तथा 96 कि.ग्रा यूरिया प्रति हैक्टेयर की दर से बेसल के रूप में प्रयोग करे। देर से बुवाई की जाने वाली गेहूँ की फसल में नत्रजन दो बार देवें। नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई से पूर्व तथा शेष आधी मात्रा प्रथम सिंचाई के समय टोप ड्रेसिंग विधि से देवें। बुवाई से पूर्व जिंक सल्फेट 24 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
सरसों	बढ़वार	सिंचाई व उर्वरक	• सरसों की फसल में प्रथम सिंचाई बुवाई के 35–40 दिन बाद बढ़वार के समय करे। सिंचाई के समय यूरिया 18–20 किलो प्रति बीघा की दर से उपयोग करे। प्रथम सिंचाई से पूर्व और पश्चात् में निराई गुड़ाई करें। जहां पर फसल सघनी हो वहां पौधे की छंटनी करे व पौध से पौध की दूरी 15 सेमी. रखे व छंटाई का कार्य फसल सिंचाई से पूर्व करें।
चना	बढ़वार	सिंचाई	• चने की फसल में प्रथम सिंचाई बिजाई के 50–55 दिन बाद (शाखा बनने के समय) पर करें। प्रथम सिंचाई के बाद कसिये से एक बार निराई गुडाई करें।
जौ	बढ़वार	सिंचाई व निराई गुड़ाई	• जौ में समय पर बुवाई की फसल में पहली सिंचाई 25–30 दिन बाद करे। इसके बाद कसिए से निराई गुड़ाई करे।
गन्ना	पकाव	सिंचाई	• गन्ने की फसल में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें।
किन्नू	फल	फलों का गिरना	• किन्नू के बागों में रोगों व अन्य कारणों से फल गिरने से रोकने हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी (बाविस्टिन) 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या प्रोपीनेब 70 डब्ल्यूपी (ऐन्ट्राकॉल) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। प्रयोग किये जाने वाले घोल में जिब्रेलिक एसिड 20 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • नींबूवर्गीय पौधों में केंकर रोग के प्रबन्धन के लिये स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 100 मिलीग्राम एवं कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

सह. आचार्य (शस्य) एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा